

टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष डेस्क स्थापित

निवेश के हर प्रस्ताव के लिए **संपर्क अधिकारी** नियुक्त होगा

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए इन्वेस्ट यूपी ने विशेष डेस्क स्थापित की है। इस डेस्क को टेक्सटाइल क्षेत्र में आने वाले निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन्वेस्ट यूपी टेक्सटाइल क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक निवेश प्रस्ताव के लिए डेस्क के माध्यम से एक संपर्क अधिकारी की तैनाती करेगा। संपर्क अधिकारी निवेश को धरातल पर उतारने के लिए संबंधित कंपनियों के साथ लगातार तालमेल बनाएंगे। साथ ही, विभिन्न विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और निवेश संबंधी प्रोत्साहन दिलाने का कार्य करेंगे।

राज्य सरकार उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल का हब बनाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए सरकार ने मुख्यमंत्री वस्त्र परिधान पार्क योजना के तहत प्रदेश में दस नए टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना की घोषणा की है। इन टेक्सटाइल पार्कों में 8,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश कर छोटी-बड़ी करीब 1,000 इकाइयों की स्थापना की जाएगी। टेक्सटाइल पार्कों में स्थापित होने वाली इन इकाइयों में 40,000 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। नीति के अनुसार टेक्सटाइल पार्कों को निजी कंपनियों द्वारा संबंधित जिलों



8000 करोड़ से ज्यादा का निवेश होगा टेक्सटाइल पार्कों में

1000 से अधिक इकाइयों की स्थापना इन पार्कों में होगी

40,000 से ज्यादा लोगों को इनमें मिलेगा रोजगार

34 जिलों में हथकरघा उद्योग को नए सिरे से बढ़ावा देने की योजना पर भी सरकार ने शुरू किया काम

प्रदेश में दस टेक्सटाइल पार्क किए जाएंगे स्थापित

मुख्यमंत्री वस्त्र परिधान पार्क योजना के तहत प्रदेश में दस नए टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना की घोषणा की है। यह टेक्सटाइल पार्क बाराबंकी, कानपुर, भदोही, हापुड़, मऊ, गोरखपुर, संत कबीर नगर, गाजियाबाद, मेरठ व हरदोई में स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल का हब बनाने की कोशिश कर रही है

के टेक्सटाइल उद्योगों की मांग के अनुसार विकसित किया जाएगा। साथ ही सरकार ने प्रदेश के 34 जिलों में हथकरघा उद्योग को नए सिरे से बढ़ावा देने की योजना पर भी काम शुरू किया है।

इन्वेस्ट यूपी द्वारा टेक्सटाइल क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा निवेश के लिए स्थापित डेस्क पावरलूम बाहुल्य मऊ, अंबेडकर नगर, वाराणसी, मेरठ, कानपुर, झांसी, इटावा, संतकबीर नगर जैसे जिलों में भी निवेश की संभावनाओं पर

काम करेगी। डेस्क को वस्त्र व परिधान के क्षेत्र को विकसित करने के लिए विभिन्न देशों व राज्यों में किए गए सफल प्रयोगों का अध्ययन करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। यह डेस्क वैश्विक बाजार का अध्ययन कर उत्पादों के लिए नए अवसरों की तलाश करेगी। टेक्सटाइल उद्यमियों को संबंधित देशों में उत्पादों के निर्यात के लिए प्रेरित करेगी। वहीं स्थापित हो चुकी टेक्सटाइल इकाइयों से संपर्क कर उन्हें विस्तार के लिए प्रेरित करेगी।